राष्ट्रीय प्रजनन स्वास्थ अनुसंधान संस्थान, परेल, मुंबई

(भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद) एवं

बृहन्मुंबई महानगरपालिका मुंबई

का संयुक्त उपक्रम

BRIHANMUMBAI MAHANAGARPALIKA

" यौन संचरित संक्रमण तथा गर्भाशय मुख का कर्करोग के बारे में मुंबई के नागरी बस्तीयों में रहनेवाले शादीशुदा जोडीयों के ज्ञान एवं स्वास्थ सुविधा पाने के वर्तन में सुधार लाने हेतु अभ्यास "

गर्भाशय मुख का कर्करोग

गर्भाशय मुख का कर्करोग यह भारतीय महिलाओं मे सब से आम कर्करोग है। यह एक ऐसी बीमारी है जिसमे गर्भाशय मुख की पेशीयाॅ कर्करोग से प्रभावित होती है। गर्भाशय मुख यानी गर्भाशय का द्वार जो की गर्भाशय का शुरूआत का अंग है। हर साल १,२५,००० महिलायें गर्भाशय मुख के कर्करोग से पिडीत होती है और लगभग ५०,००० महिलाओं की इस बीमारी से मृत्यू हो जाती है। इसलिये यह बीमारी का जल्द से जल्द निदान करना तथा प्रतिबंध करना जरूरी है। इस पत्रक का उद्देश्य, गर्भाशय मुख के कर्करोग के बारे मे समाज मे जागरूकता निर्माण करना है।

गर्भाशय मुख के कर्करोग के लक्षण

प्राथमिक अवस्था मे गर्भाशय मुख के कर्करोग के कोई भी लक्षण दिखाई नही देते है । सामान्यत: ३५ साल या उससे ज्यादा उम्र मे निचे दीये हुए लक्षण गर्भाशय मुख के कर्करोग की सुचना देते है।

- दो महावरी (मासिक धर्म) के बीच के दिनो मे योनीमार्ग से खूनमिश्रीत स्त्राव निकलना।
- हर योन संबंध के बाद खून निकलना।
- महावरी बंद होने के बाद (रजोनिवृत्तिपश्चात्) योनीमार्ग से खूनमिश्रीत स्त्राव निकलना।
- अनियमित महावरी और योनिमार्ग से असामान्य खूनमिश्रीत स्त्राव निकलना।
- असाधारण थकान, कमजोरी, वजन कम होना।

पर यह ध्यान रहे की, गर्भाशय मुख के कर्करोग के लक्षण दिखने से पहले सरल जाँच (पॅप स्मिअर परिक्षण) द्वारा प्राथमिक अवस्था के गर्भाशय मुख के कर्करोग का निदान किया जा सकता है। उपर दीये हुए कोई भी शंकास्पद लक्षण दिखने पर शीघ्र ही डाक्टर से संपर्क करे।

पॅप स्मिअर परिक्षण क्या है ?

कर्करोग जैसी जानलेवा बिमारी तथा कुछ योन बिमारीयों के लक्षण प्राथमिक रूप में दिखाई नही देते है, पर पॅप स्मिअर परिक्षण से प्राथमिक अवस्थामेंही बिमारीयों का निदान किया जाता है। कर्करोग या कर्करोग के पुर्वस्वरूप सुक्ष्म बदलाव तथा जंतुसंसर्ग के कारण होनेवाली योन बिमारीयों का निदान यह परिक्षण से किया जाता है। १८ से ४५ उम्र की सभी शादीशुदा महिलाओंने यह परिक्षण दो साल में कम से कम एक बार करा लेना जरूरी है।

यह परिक्षण कैसे किया जाता है ?

यह परिक्षण सरल तथा वेदनारहित है। महिलाओं का विशेष परिक्षण करते समय योनिमार्ग से रूई के फुरेरी या ब्रश से पेशीयुक्त पानी निकालकर कांचपट्टी के उपर लेते है। प्रयोगशाला में इस पर विशेष रासायनिक प्रक्रिया करके सूक्ष्मदर्शक यंत्र से परिक्षण करते है। पॅप स्मिअर परिक्षण यह एक आसानी से होनेवाला परिक्षण है, ऑपरेशन नही। यह परिक्षण करते समय महिला को कोई दर्द या तकलीफ नही होती है। परिक्षण को तीन मिनीट का समय लगता है। महावरी (मासिक धर्म) के दिनों के अलावा कभी भी यह परिक्षण किया जा सकता है।